

श्रीमान् श्रीमान्



राजरव मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 1406 / 111 / 14

स्थान तथा  
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

जिला सागर

पञ्चमरी एवं  
अभिभाषक  
के हस्ताक्षर

20.5.2014

पट्ट निगरानी तहसीलदार सहायसद्वारा जारी प्रकरण क्रमांक 2245/13-14 की 121 में जारी आदेश दिनांक 2-4-14 से परिप्रेक्षित जेकर नया नू राजरव संहिता, 1953 की धारा 59 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ आवेदिका के अभिभाषक के प्रारम्भिक तर्कों को तब तहसीलदार के आदेश दिनांक 2-4-14 का अवलोकन किया।

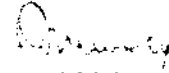
3/ विद्वान अभिभाषक के प्रारम्भिक तर्कों पर विचार करने एवं तहसीलदार के आदेश दिनांक 2-4-14 के अवलोकन से पाया गया कि तहसील न्यायालय में मौजा रोमरा जिला स्थित आराजी क्रमांक 16/1 एवं 190/5 कुल कित्ता 2 कुल रकबा 3.025 हैक्टर पर खड़ी फसल को जप्त किये जाने हेतु प्रकरण उभय पक्ष के बीच चला है जिसमें उभय पक्ष को श्रवण कर तहसीलदार ने आदेश दिनांक 2-4-14 से इस प्रकार निर्णय लिया है :-

“अतएव सभी तथ्यों तथा अनाम के लिखित बहस के तथ्यों के आधार पर यह मामला इसी-स्तर पर समाप्त किया जाता है।”

4/ उपरोक्त से स्पष्ट है कि तहसीलदार का आदेश अंतरिम न होकर अंतिम आदेश है, जिसके विरुद्ध आवेदिका को अपील का उपचार प्राप्त है। आवेदिका इस आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त कर 30 दिवस के भीतर अनुविभागीय अधिकारी के न्यायालय में अपील कर सकती है। आवेदिका

द्वारा अनुभागीय अधिकारी को सख्त भीड़ प्रकृत होने पर हितबद्ध पक्षकारों को श्रवण उपरांत अपील का निराकरण गुणदोष के आधार पर किया जावे।

5/ उक्त कारणों से राजस्व मण्डल में निगरानी पुनर्वाई योग्य न होने अमान्य की जाती है। पक्षकार टीम करें। प्रकरण अंक से कम करके रिहाई रूप में जमा किया जावे।

  
राजस्व

